पत्रकार वार्ता के मुख्य बिंदु **अगस्त 27, 2015**

पत्रकारों से बात करते हुए श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने निम्न बातें कहीं।

भारतीय जनता पार्टी की श्रीमति आनन्दी बेन पटेल के नेतृत्व वाली गुजरात सरकार ने बापू की पवित्र भूमि गुजरात को व्यापक हिंसा, आगजनी, तोड़-फोड़ और हत्या की आग में धकेल दिया है। आज पूरे गुजरात के अंदर व्यापक अराजकता का आलम है। हालात यह है कि 4 शहरों अहमदाबाद, सूरत, राजकोट और महसाना में 48 घंटों से Curfew है।

एक दर्जन से अधिक शहरों में Paramilitary Forces की 100 से अधिक कंपनिया लगाई गई हैं। चार शहरों के अंदर शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आर्मी को बुलाना पड़ा। 8 निर्दोष व्यक्ति मारे जा चुके हैं। 1000 से अधिक घायल हैं और सैंकड़ो युवक युवतियों को बिना वारंट के गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने ना केवल बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया बल्कि निहत्थे लोगों पर गोलियां भी चलाई। इल्जाम यहां तक हैं कि पुलिस के द्वारा लोगों के घरों के दरवाजों को तोड़ कर युवक युवतियों को बाहर घसीट कर पीटा गया।

कुशासन का आलम यहां तक पहुंच गया है कि पीछले 48 घंटों से इंटरनेट सेंवाओं पर, वॉट्सअप सेवाओं पर,SMS सेवाओं पर, टेलिफोन सेवाओं पर पूरी तरह से गुजरात सरकार द्वारा प्रतिबंध लगा दिया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस गुजरात में पिछले 48 घंटों में हुई हिंसा खासतौर से पिछले 24 घंटों में हुई हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा करती है।

हम गुजरात के लोंगो से भाईचारे, शांति बनाए रखने की अपील करते हैं। बगैर कारण की हिंसा में मारे गए लोगों को भी हम अपनी श्रद्धांजली अर्पित करते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी से और गुजरात की मुख्यमंत्री जी से हम 6 प्रश्न पूछना चाहेंगे।

1. **क्या यही गुजरात मॉडल की असली सच्चाई है, जिसमें बेरोजगारी, भूखमरी, क्षेत्रवाद**

व विस्फोटक बैचेनी का बोलबाला है?

2. क्या चुनी हुई सरकार खुद के नागरीकों व नौजवानों से इस प्रकार का अत्याचारी व बर्बरता पूर्ण रवैया अपनाती है?
3. क्या पूलिस के द्वारा निहत्थे लोंगो पर गोलियां चलाना व लाठीयां चलाना समस्या का हल है?
4. क्या हिंसा का मूल कारण गुजारत में सामाजिक सुरक्षा के चक्र का टूटना है, जिसमें सत्तासीन भाजपा द्वारा किसान-गरीब आदिवासी व दलित का शोषण, व्यापक कुपोषण, मूलभूत सुविधाओं का अभाव व चन्द लोगों को और अमीर बनाने की प्रकिया है?
5. मुख्यमंत्री आनंदी बेन पटेल यह कहती हैं कि उन्होंने गोलियां चलाने व लाठी चार्ज का आदेश नहीं दिया। यह बहुत गंभीर बात है। यदि यह सच है तो क्या गुजरात की सरकार व शासन की बागडोर भी PMO से चल रही है?
6. क्या प्रजातंत्र में समस्याओं का हल लाठी, गोलियां हैं या वार्तालाप है? प्रदेश के नौजवानों से बैठ कर बातचीत करने से भाजपा क्यों गुरेज कर रही है?

इन 6 प्रश्नों का जवाब गुजरात की सरकार और प्रधानमंत्री जी को देना चाहिए।

एक प्रश्न पर कि जो माँगे पटेल समाज ने आरक्षण को लेकर रखी हैं क्या कांग्रेस पार्टी उनका समर्थन करती है? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि जैसा कि मैंने आपको बताया गुजरात के मौजुदा हिंसा के माहौल में जहां भावनाएं भड़की हैं और हम इस समय कुछ कहकर राजनीति नहीं करना चाहते। प्रजातंत्र में किसी भी व्यक्ति की भावनाएं हो सकती हैं। इच्छाएं और मांग हो सकती हैं। किसी भी वर्ग की इच्छाएं और मांग हो सकती हैं। उनसे वार्तालाप करके उनका हल निकालना चुनी हुई सरकार का कर्तव्य और जिम्मेदारी है। इस मौके पर इससे ज्यादा कहना उचित नहीं होगा।

एक अन्य प्रश्न पर कि नरेंद्र मोदी जी ने दो दिन के बाद अपील की है और कहा है कि बातचीत से समस्या का हल निकाला जा सकता है इस पर आप क्या कहेंगे, जब पता था कि ऐसी समस्या हो सकती है तो पहले बातचीत क्यों नहीं की गई? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने लंबे अरसे तक गुजरात का शासन संभाला है। कहीं ना कहीं यह विस्फोटक स्थिति सामाजिक सुरक्षा चक्र का टूटना है, आम जनमानस का सत्तासीन लोगों के द्वारा शोषण है। गरीब लोगों पर अत्याचार, किसानों की

समस्याओं का ना सुनना यह सब शासन की विफलताओं का परिणाम है। क्योंकि प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी दोनों ही एक ही प्रांत से हैं। उनकी यह राजनीतिक, व्यक्तिगत और संवैधानिक जिम्मेदारियां थी और अगर समय रहते प्रधानमंत्री जी उचित राय देते और गुजरात की सरकार जो सीधा उनके नेतृत्व में चलती तो आज यह हालात नहीं बनते।

एक अन्य प्रश्न पर कि आज ही हार्दिक पटेल ने कहा है कि गुजरात में 6000 किसानों ने आत्महत्या की है, लेकिन वह बात सामने नहीं आई है। पीएम जी गुजरात के विकास की बात करते हैं तो कौन सा विकास हुआ है, क्यों पटेल समाज को आरक्षण की जरुरत पड़ गई? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि आपने किसानों की समस्या की बात की है। मैं कहूं तो पूरे देश के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी तक और पोरबंदर से मिजोरम तक नरेंद्र मोदी किसान विरोधी का नारा समेत गुजरात की भूमि से बगैर कारण से नहीं आ रहा है। किसानों के लिए कोई भी लाभकरी योजना उपलब्ध नहीं है और अगर किसान बाजार में फसल बेचने जाता है तो उसके बाजार भाव जिसका वादा करके मोदी जी सत्ता में आए थे, उसको बाजार भाव भी नहीं देते। इसलिए पूरे देश में गुजरात समेत पूरे देश में जाति धर्म या कोई भी क्षेत्र हो बर्बादी के कगार पर मोदी सरकार के चलते आ कर खड़ा हुआ है और यह पूरे देश में एक गंभीर विषय है। मोदी सरकार को अपनी विदेशी यात्राओं पर से ध्यान हटाकर किसानों के आंसू पोंछने की जरुरत है।

एक अन्य प्रश्न पर कि राहुल गांधी जी कश्मीर में फोटो अपोर्चुनीटि के लिए जाते हैं, इस पर आप क्या कहेंगे? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि पीएम जी को तो फोटो अपोर्चुनीटि के लिए मरते किसान और बॉर्डर पर कुर्बानी देते हुए जवानों की भी चिंता नहीं है। जब राहुल जी किसान का मुद्दा उठाते हैं, बॉर्डर पर कुर्बानी देते हुए जवानों का मुद्दा उठाते हैं, जब उनकी व्यथा को उजागर करते हैं तो सरकार को पीड़ा नहीं होनी चाहिए। हम बीजेपी से कहेंगे कृप्या करके अपने प्रधानमंत्री जी से कहें कि थोड़ा समय विदेश यात्राओं से निकालें और मरते हुए किसानों और बार्डर पर शहीद होने वाले जवानों की भी खबर लें।

Shri Randeep Singh Surjewala addressed the media today (English version).

1. **BJP's Anandiben Patel Government has pushed Bapu's Gujarat in a fire of mindless violence, Arson, Lathi charge and murder.**
2. **Entire Gujarat has sunk into lawlessness.**

1. Four big cities, Ahmadabad, Surat, Rajkot and Mehsana are under curfew for 48

hours

2. Over 100 companies of paramilitary forces have been deployed in a dozen towns.
3. Army has been called in four towns.
4. Eight innocent people have died and over 1000 are injured.
5. Hundreds have been arrested without warrant.
6. Police not only did brutal lathi charge without provocation but fired on innocents leading to multiple deaths. Police brutality is to the extent that it broke down people's houses and arrested young men and women.
7. Mal governance and dictatorship has reached a zenith where internet, SMS, whatsapp and other services have been shut down for 48 hours.

3. We condemn this violence in the strongest possible words.

1. We appeal to people of Gujarat to maintain peace and harmony.
2. We pay our homage to those who have died in reckless violence.

4. We want to ask PM Modi and CM

1. Whether this is the real truth of Gujarat model where unemployment, hunger, regionalism, rule the roost on a beg of violence?
2. Whether elected Govt., brutalizes its young and citizens in this inhumane fashion?
3. Whether firing on unarmed innocents and lathi charging then is a solution?
4. Whether principle reason of violence and unrest in Gujarat is that protection of social security cover has broken down leading to exploitation of farmers-Dalit poor, adivasi, comprehensive malnutrition absence of basic amenities and quest to enrich a few at the cost of the masses?
5. The CM says that she did not order lathi charge and firing. This is indeed serious. If this is true, is Gujarat being run from PMO now?
6. Whether dialog can be substituted by firing, lathi and subjugation in democracy? Why is govt. shying away from opening a dialogue?